

**घरौंदा** पुं. (देश.) 1. कागज, मिट्टी, बालू आदि का बना हुआ छोटा घर जिसे बच्चे खेलने के लिए बनाते हैं 2. छोटा-सा घर।

**घर्घरक** पुं. (तत्.) घर्घर की ध्वनि, घाघरा नदी।

**घर्घरिका** स्त्री. (तत्.) आभूषणों में प्रयुक्त घुँघरू, नूपुर, एक प्रकार की वीणा, लावा।

**घर्घरित** पुं. (देश.) सूअर के घुरघुराने की आवाज।

**घर्घरी** स्त्री. (तत्.) 1. घर्घरा, एक प्रकार की वीणा 2. घुँघरुदार करधनी।

**घर्म** पुं. (तत्.) 1. घाम, धूप, सूर्य ताप 2. पसीना, स्वेद 3. एक प्रकार का यज्ञ 4. ग्रीष्मकाल।

**घर्मबिंदु** पुं. (तत्.) पसीना, स्वेद।

**घर्मस्वेद** पुं. (तत्.) ताप के कारण जिसके शरीर से पसीना निकल रहा है।

**घर्माबु** पुं. (तत्.) स्वेद, पसीना।

**घर्माशु** पुं. (तत्.) सूर्य।

**घर्माट** पुं. (तत्.) ग्रीष्म ऋतु का अंत, वर्षा का आरंभ।

**घर्मोदक** पुं. (तत्.) पसीना।

**घर्मा** पुं. (अनु.) एक प्रकार का अंजन जो अफीम, फिटकरी, घी, कपूर, हड़, जली, बत्ती, इलायची, नीम की पत्ती इत्यादि को घिस कर बनाया जाता है 2. गले की घरघराहट 3. कुँएँ आदि की मिट्टी 4. जल को व्यक्तियों द्वारा बैल की तरह खींचने का काम।

**घर्माटा** पुं. (अनु.) घर-घर का शब्द, वह शब्द जो गहरी नींद में साँस लेते समय नाक से निकलता है मुहा. खर्माटा भरना- नींद में सोना; खर्माटा लेना- खर्माटा मारना।

**घर्मामी** पुं. (देश.) छप्पर छाने का काम करनेवाला।

**घर्ष** पुं. (तत्.) रगड़, घर्षण, पीसना, चूर्ण करना।

**घर्षक** पुं. (तत्.) रगड़नेवाला, पीसनेवाला, माँजने वाला।

**घर्षण** पुं. (तत्.) 1. रगड़, घिस्सा 2. पेषण, चूर्णीकरण।

**घर्षित** पुं. (तत्.) घिसा-पिसा अथवा रगड़ा हुआ 2. अच्छी तरह साफ किया हुआ, माँजा हुआ।

**घलना** अ.क्रि. (देश.) छूट कर गिर पड़ना, फेंका जाना 2. हथियार का चल जाना, चढे हुए तीर या भरी हुई गोली का छूट जाना 3. मारपीट।

**घलाघल** स्त्री. (देश.) मारपीट, आघात, प्रतिघात।

**घलुआ** पुं. (देश.) वह अधिक वस्तु जो ग्राहक को उचित तोल के अतिरिक्त दी जाए, घाल।

**घसकना** अ.क्रि. (देश.) दे. खिसकना।

**घसखुदा** वि. (देश.) घसियारा, अनाड़ी, मूर्ख, वह व्यक्ति जो घास खोदने का काम करता हो।

**घसना** स.क्रि. (तद्.) घिसना, रगड़ना 2. भक्षण करना।

**घसिटना** अ.क्रि. (देश.) किसी वस्तु का इस प्रकार खिंचना कि वह भूमि से रगड़ खाती हुई एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाए, घसीटा जाना।

**घसियारा** पुं. (देश.) घास बेचनेवाला, घास छीलकर लाने वाला।

**घसियारिन** स्त्री. (देश.) घास बेचानेवाली, घास छीलने वाली।

**घसीट** स्त्री. (देश.) जल्दी-जल्दी लिखने का भाव 2. जल्दी लिखा हुआ लेख 3. घसीटने का भाव 4. वह मोटा फीता या इसी प्रकार की और कोई पट्टी जिसकी सहायता से हवा में उड़ते हुए पालों को मस्तूल आदि से बाँधते हैं।

**घसीटनाँ** स.क्रि. (देश.) किसी वस्तु को इस प्रकार खींचना कि वह भूमि से रगड़ खाती हुई एक स्थान से दूसरे स्थान को जाए 2. जल्दी-जल्दी लिखना 3. किसी मामले में डालना 4. खींच कर ले जाना।

**घस्मर** वि. (तत्.) पेटू, भक्षक 2. विध्वंसक, विनाशक।

**घस्र** पुं. (तत्.) दिन, दिवस 2. सूर्य 3. शिव 4. कुंकुम वि. हानिकार।

**घस्सा** पुं. (तद्.) दे. घिस्सा।